कर्मचारी चयन आयोग की पृष्ठभूमि

निम्न श्रेणी के पदों पर भर्ती के लिए परीक्षाओं के आयोजन हेतु संसद की प्राक्कलन समिति ने अपने 47वें प्रतिवेदन (1967-68) में एक सेवा चयन आयोग की स्थापना की सिफारिश की। इस प्रतिवेदन को ध्यान में रखते हुए अंतरिम तौर पर सचिवालय प्रशिक्षण विद्यालय में परीक्षा स्कंध की शुरूआत की गई, जिसे बाद में सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबंध संस्थान का नाम दिया गया।

प्रशासनिक सुधार आयोग ने (एआरसी) ने कार्मिक प्रशासन संबंधी रिपोर्ट में इस तथ्य को विशेष रूप से इंगित किया कि केंद्र और राज्य में सरकारी कार्मिकों का अधिकांश भाग वर्ग-।।। और IV से संबद्ध है। विशेषत: विभिन्न कार्यालयों में ऐसे पदों पर नियुक्ति के लिए योग्यता की समान प्रकृति का हवाला देते हुए आयोग ने विभिन्न विभागों के गैर तकनीकी पदों के लिए जरूरत को पूरी करने तथा कार्मिकों की नियुक्ति, संयुक्त भर्ती अथवा भर्ती बोर्ड के माध्यम से करने की वकालत की। इन सिफारिशों के अनुसरण में भारत सरकार ने कार्यकारी संकल्पना के अंर्तगत एक अधीनस्थ सेवा आयोग के गठन का निर्णय लिया है ।

भारत सरकार के कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के संकल्प संख्या 46/1(एस)/74-स्थापना(बी) दिनांक 4 नवंबर, 1975 के तहत अधीनस्थ सेवा आयोग नामक आयोग गठित किया जिसके 26 सितंबर, 1977 को कर्मचारी चयन आयोग के रूप में भारत सरकार के मंत्रालयों/विभागों और अधीनस्थ कार्यालयों में विभिन्न वर्ग-।।।(अब वर्ग -ग) (गैर तकनीकी) पदों की भर्ती करने के लिए पुन: गठित किया गया । कर्मचारी चयन आयोग के कार्यकलापों में समय-समय पर बढ़ोतरी हुई है और अब यह 42000/- रूपए के ग्रेड वेतन सहित 9300 से 34800 वेतनमान में सभी समूह 'ख' के पदों की भर्ती का भी कार्य कर रहा है । कर्मचारी चयन आयोग के कार्यकलापों को भारत सरकार, कार्मिक लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के संकल्प सं. 39018/1/98-स्था(ख) दिनांक 21 मई 1999(संकल्प शीर्षक के तहत देखा जा सकता है) के तहत पुन निर्धारित किया गया । कर्मचारी चयन आयोग का नया गठन व कार्यकलाप 1जून,1999 से प्रभावी हुए ।

कर्मचारी चयन आयोग, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग का संबद्ध कार्यालय है । जिसमें अध्यक्ष, दो सदस्य और सचिव-सह-परीक्षा नियंत्रक शामिल हैं जो केन्द्र सरकार द्वारा समय समय पर निर्धारित नियम एवं शर्तों के तहत नियुक्त किए जाते हैं । आयोग को केन्द्र सरकार द्वारा आवश्यक समझे जाने वाला सहायक स्टाफ मुहैया कराया गया है ।